

901

801 (HC)

2024

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट ]

[पूर्णांक : 70

निर्देश :

- (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।
- (ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
- (iii) इस प्रश्न-पत्र के दो खण्ड - खण्ड अ तथा खण्ड ब हैं ।
- (iv) खण्ड अ में 1 अङ्क के 20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके उत्तर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर देने हैं ।
- (v) खण्ड अ के प्रत्येक प्रश्न का निर्देश पढ़कर केवल प्रदत्त ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर ही उत्तर दीजिए । ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर उत्तर देने के पश्चात् उसे काटें नहीं तथा इरेजर एवं ह्वाइटनर का प्रयोग न करें ।
- (vi) प्रश्न के अङ्क उसके सम्मुख अंकित हैं ।
- (vii) खण्ड ब में 50 अङ्क के वर्णनात्मक प्रश्न हैं ।
- (viii) खण्ड ब के सभी प्रश्नों के उत्तर एक साथ ही कीजिए ।

खण्ड अ

(बहुविकल्पीय प्रश्न)

1. 'चन्द्रगुप्त' रचना की विधा है : 1
  - (A) निबन्ध
  - (B) उपन्यास
  - (C) नाटक
  - (D) कविता
2. 'दीप जले शंख बजे' के लेखक हैं : 1
  - (A) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
  - (B) शान्तिप्रिय द्विवेदी
  - (C) रामवृक्ष 'बेनीपुरी'
  - (D) देवेन्द्र सत्यार्थी
3. शुक्लोत्तर युगीन लेखक हैं : 1
  - (A) विनय मोहन शर्मा
  - (B) मन्नू भण्डारी
  - (C) उपेन्द्रनाथ 'अशक'
  - (D) सत्येन्द्र द्विवेदी

4. हजारीप्रसाद द्विवेदी लेखक हैं : 1
- (A) पानी के प्राचीर के (B) आपका बंटी के  
(C) बूंद और समुद्र के (D) बाणभट्ट की आत्मकथा के
5. निम्नलिखित में से जयशङ्कर प्रसाद का नाटक नहीं है : 1
- (A) अजातशत्रु (B) स्कन्दगुप्त  
(C) ध्रुवस्वामिनी (D) अन्धेर नगरी
6. रीतिबद्ध काव्यधारा के कवि हैं : 1
- (A) बिहारी लाल (B) बोधा  
(C) भिखारीदास (D) घनानन्द
7. 'पद्माभरण' के रचयिता हैं : 1
- (A) सेनापति (B) केशव  
(C) पद्माकर (D) भूषण
8. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की रचना है : 1
- (A) कनुप्रिया (B) सुनहो शैवाल  
(C) ठण्डा लोहा (D) राम की शक्ति पूजा
9. प्रयोगवादी कवि हैं : 1
- (A) भारत भूषण अग्रवाल (B) केदारनाथ अग्रवाल  
(C) रामधारी सिंह 'दिनेश' (D) सुमित्रानन्दन पन्त
10. 'आँगन के पार द्वार' के रचयिता हैं : 1
- (A) धर्मवीर भारती (B) भवानी प्रसाद मिश्र  
(C) 'अज्ञेय' (D) गिरिजा कुमार माथुर
11. 'करुण' रस का स्थायी भाव है : 1
- (A) क्रोध (B) शोक  
(C) हास्य (D) भय
12. 'चरण-कमल बंदौ हरि राई ।' में प्रयुक्त अलङ्कार है : 1
- (A) उपमा (B) उत्प्रेक्षा  
(C) रूपक (D) यमक

13. 'रोला' छन्द के प्रत्येक चरण में कितनी मात्राएँ होती हैं ? 1  
 (A) 24 (B) 16  
 (C) 13 (D) 11
14. 'अभ्यागत' शब्द में उपसर्ग है : 1  
 (A) अनु (B) अपि  
 (C) अव (D) अभि
15. 'नीलकमल' में समास है : 1  
 (A) द्वन्द्व (B) द्विगु  
 (C) कर्मधारय (D) बहुव्रीहि
16. 'योगी' शब्द का तद्भव शब्द होगा : 1  
 (A) जोगी (B) युगी  
 (C) जौगी (D) इनमें से कोई नहीं
17. 'युष्मद्' शब्द की सप्तमी विभक्ति, एकवचन का रूप होगा : 1  
 (A) तव (B) त्वत्  
 (C) त्वयि (D) तुभ्यम्
18. रचना के आधार पर वाक्य के किन्ने भेद होते हैं ? 1  
 (A) आठ (B) तीन  
 (C) चार (D) इनमें से कोई नहीं
19. 'भाववाच्य' में प्रधानता होती है : 1  
 (A) कर्ता की (B) कर्म की  
 (C) क्रिया की (D) इनमें से कोई नहीं
20. 'अविकारी' शब्द है : 1  
 (A) इन्द्र (B) गाय  
 (C) यथासम्भव (D) आप

**खण्ड ब**  
**(वर्णनात्मक प्रश्न)**

21. निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश पर आधारित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2+2+2=6

(क) कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है। यह केवल नीति और सद्वृत्ति का ही नाश नहीं करता, बल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है। किसी युवा-पुरुष की संगति यदि बुरी होगी, तो वह उसके पैरों में बंधी चक्की के समान होगी, जो उसे दिन-दिन अवनति के गड्ढे में गिराती जाएगी और यदि अच्छी होगी तो सहारा देने वाली बाहु के समान होगी, जो उसे निरंतर उन्नति की ओर ले जाएगी।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ii) गद्यांश के रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) 'सुदृढ़ बाहु' का क्या अर्थ है ?

अथवा

(ख) हिन्दी में प्रगतिशील साहित्य का निर्माण हो रहा है। उसके निर्माता यह समझ रहे हैं कि उनके साहित्य में भविष्य का गौरव निहित है। पर कुछ ही समय के बाद उनका यह साहित्य भी अतीत का स्मारक बन जाएगा और आज जो तरुण है, वही वृद्ध होकर अतीत के गौरव का स्वप्न देखेंगे। उनके स्थान में तरुणों का फिर दूसरा दल आ जाएगा जो भविष्य का स्वप्न देखेगा। दोनों के ही स्वप्न सुखद होते हैं, क्योंकि दूर के ढोल सुहावने होते हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ii) गद्यांश के रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) प्रस्तुत गद्यांश में 'प्रगतिशीलता' से क्या तात्पर्य है ?

22. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश पर आधारित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2+2+2=6

(क) गोरज बिराजै भाल लहलही बनमाल

आगे गैयाँ पाछे ग्वाल गावै मृदु बानि री ।

तैसी धुनि बाँसुरी की मधुर मधुर जैसी,

बंक चितवनि मंद-मंद मुसकानि री ।

कदम बिटप के निकट तटिनी के तट

अटा चढ़ि चाहि पीत पट फहरानि री ।

रस बरसावै तन-तपनि बुझावै नैन,

प्राननि रिझावै वह आवै रसखानि री ॥

(i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

(ii) गोरज के बीच कृष्ण के सुन्दर रूप का सजीव चित्रण कवि ने किस प्रकार किया है ?

(iii) पद्यांश के रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

(ख) फूल झरता है

फूल शब्द नहीं ।

बच्चा गेंद उछालता है,

सदियों के पार

लोकती है उसे एक बच्ची ।

बूढ़ा गाता है एक पद्य,

दुहराता है दूसरा बूढ़ा;

भूगोल और इतिहास से परे

किसी दालान में बैठा हुआ ।

(i) उपर्युक्त कविता के कवि एवं शीर्षक का नाम लिखिए ।

(ii) रेखाङ्कित पद्यांश का अंश स्पष्ट कीजिए ।

(iii) कवि पद्यांश में किसकी विशेषता बता रहा है ?

23. नीचे दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का संदर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2+3=5

(क) वाराणस्यां प्राचीनकालादेव गेहे-गेहे विद्यायाः दिव्यं ज्योतिः द्योतते । अधुनाऽपि अत्र संस्कृतवाग्धारा सततं प्रवहति, जनानां ज्ञानं च वर्द्धयति । अत्र अनेके आचार्याः मूर्धन्याः विद्वांसः वैदिकवाङ्मयस्य अध्ययने अध्यापने च इदानीं निरताः ।

अथवा

(ख) एतस्मिन्नेव काले तस्य ग्रामीणस्य ग्रामः आगतः । स विहसन् रेलयानात् अवतीर्य स्वग्रामं प्रति अचलत् । नागरिकः लज्जितः भूत्वा तूष्णीम् अतिष्ठत् । सर्वे यात्रिणः वाचालं तं नागरिकं दृष्ट्वा अहसन् । तदा स नागरिकः अन्वभवत् यत् ज्ञानं सर्वत्र सम्भवति ।

24. नीचे दिए गए संस्कृत श्लोक में से किसी एक का संदर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2+3=5

(क) नीर-क्षीर-विवेके हंसालस्यं त्वमेव तनुषे चेत् ।  
विश्वमिस्मन्नधुनान्यः कुलव्रतं पालयिष्यति कः ॥

अथवा

(ख) दाक्ष्यमेकपदं धर्म्यं दानमेकपदं यशः ।  
सत्यमेकपदं स्वर्ग्यं शीलमेकपदं सुखम् ॥

25. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए : 1×3=3

(क) (i) 'मातृ-भूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर 'चन्द्रशेखर आज़ाद' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ii) 'मातृ-भूमि के लिए' खण्डकाव्य के 'बलिदान' सर्ग का कथानक लिखिए ।

(ख) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के 'पूर्वाभास' सर्ग का कथानक लिखिए ।

(ग) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाष चन्द्र बोस की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

- (घ) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के 'पृथ्वीराज' सर्ग का कथानक लिखिए ।  
(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर महाराणा प्रताप का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
- (ङ) (i) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथासार लिखिए ।  
(ii) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
- (च) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य की सबसे प्रभावशाली घटना का वर्णन कीजिए ।  
(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर 'कुन्ती' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
- (छ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के नायक 'लक्ष्मण' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।  
(ii) 'लक्ष्मण-मेघनाद युद्ध तथा लक्ष्मण की मूर्च्छा' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।
- (ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के 'राम-भरत-मिलन' सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए ।  
(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर 'कैकेयी' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
- (झ) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए ।  
(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

26. (क) दिए गए लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : 3+2=5

- (i) पदुमलाल पुत्रालाल बख्शी  
(ii) जयशङ्कर प्रसाद  
(iii) आचार्य रामचंद्र शुक्ल  
(iv) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : 3+2=5

- (i) तुलसीदास  
(ii) मैथिलीशरण गुप्त  
(iii) सुमित्रानन्दन पन्त  
(iv) अशोक बाजपेयी



27. अपनी पाठ्य-पुस्तक में से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो ।

2

28. अपने मुहल्ले की नालियों की समुचित सफाई के लिए नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए ।

4

29. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए :

2

- (i) आरुणिः कः आसीत् ?
- (ii) वीरः केन पूज्यते ?
- (iii) चन्द्रशेखरः स्वनाम किम् अवदत् ?
- (iv) मैत्री केन वर्धते ?

30. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए :

7

- (i) आतंकवाद : कारण एवं निवारण
- (ii) देश-प्रेम
- (iii) विज्ञान : वरदान या अभिशाप
- (iv) विद्यार्थी-जीवन में खेल का महत्त्व

downloaded from  
StudentSuvidha.com